आचार्य अनन्तकीर्ति

जीवन-परिचय : आचार्य अनन्तकीर्ति अपने समय के प्रसिद्ध तार्किक विद्वान थे। इनके नाम का उल्लेख अनेक आचार्यों ने अपने ग्रन्थों में किया है।

अनन्तकीर्ति का समय ई. सन 990 से पूर्व अर्थात् नवम शताब्दी का उत्तरार्ध माना जाता है।

रचना-परिचय : अनन्तकीर्ति के चार ग्रन्थों का उल्लेख मिलता है, परन्तु इनमें से दो ही प्रकाशित हैं—

1. **सर्वज्ञसिद्धि :** अनन्तकीर्ति ने बृहत् और लघु ये दो सर्वज्ञसिद्धि नामक ग्रन्थ लिखे हैं। ये दोनों ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं। इन ग्रन्थों में आचार्य ने सर्वज्ञ की सिद्धि कर अर्हन्त को सर्वज्ञ बतलाया है।